लखनऊ। बुधवार • 20 फरवरी • 2019 राष्ट्रीय सहारा

गन्ना उत्पादन लागत घटाने की दिशा में काम करें वैज्ञानिक

आलमबाग-लखनऊ (एसएनबी)। रायबरेली रोड स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में चार दिवसीय इक्षु महोत्सव एवं चीनी एवं संबद्ध उद्योगों के सतत विकास के लिए हरित प्रौद्योगिकी विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी-शुगरकॉन-2019 का मंगलवार समापन हो गया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने संगोष्ठी में चीन, थाईलैंड, वियतनाम, श्रीलंका, बेल्जियम व ब्रज़ील से भाग लेने आए वैज्ञानिकों व आयोजनकर्ताओं को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई दी।

इक्षु महोत्सव एवं शुगरकॉन-2019 का समापन

इस मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि प्रदेश सरकार पर्यावरण संरक्षण के प्रति गम्भीर है। शाही ने गत वर्ष के तुलना में इस वर्ष प्रदेश में अधिक चीनी उत्पादन होने की संभावना जताई और अंतर्राष्ट्रीय चीनी बाजार में भारतीय चीनी को प्रतिस्पर्धात्मक बनाने के लिए गन्ने की उत्पादन लागत में कमी लाने के लिए वैज्ञानिकों से आह्वान किया। उन्होंने वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुना करने के लिए गन्ने की उन्नत उत्पादन प्रौद्योगिकी को किसानों तक पहुंचाने, गन्ने की उत्पादकता में वृद्धि करने, प्रसंस्करण लागत को कम करने तथा उप-उत्पादों के उचित उपयोग पर बल दिया।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ अश्वनी दत्त पाठक ने मुख्य शोध एवं विकास कार्यक्रमों को रेखांकित किया और बताया संगोष्ठी में कुल 8 तकनीकी सत्र, 2 की-नोट सत्र, एक पूर्ण सत्र तथा एक पोस्टर सत्र में कुल 120 शोध पत्र मौखिक रूप से एवं 80 शोध पत्र पोस्टर के रूप में प्रस्तुत किए गए । संगोष्ठी में चीन के गन्ना शोध संस्थान में भाग लेने आए डॉ. यंग-रुई ली ने हरित प्रौदयोगिकी जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करने की बधाई दी । संगोष्ठी के अंतिम दिन सर्वश्रेष्ठ शोध पत्रों को प्रस्तुत करने वाले वैज्ञानिकों को परस्कृत किया गया । वही चार दिवसीय इक्षु महोत्सव के अंतिम दिन पांच सौ से अधिक विद्यार्थियों, छोटे बच्चों एवं महिलाओं ने कर्सी रेस, गायन, मेढ़क दौड़ एवं गन्ना चूसने की जैसी प्रतियोगिताओं में भाग लिया और विजयी प्रतिभागियों पुरस्कृत किया गया ।

अमर उजाला

लखनऊ | बुधवार, 20 फरवरी 2019

गन्ने की लागत में कमी लाने के तरीके बताएं वैज्ञानिक

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने आईआईएसआर में चार दिवसीय इक्षु महोत्सव का किया समापन

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ में आयोजित चार दिवसीय इक्षु महोत्सव और अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी शुगरकॉन-2019 का मंगलवार को समापन हो गया। संगोष्ठी में बड़ी संख्या में चीन, थाईलैंड, वियतमान, श्रीलंका, बेल्जियम और ब्राजील के वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार पर्यावरण को लेकर काफी चिंतित है। प्रदेश सरकार कृषि यंत्रों की खरीद पर अनुदान दिया जा रहा है। शाही ने इस वर्ष पिछले साल की तुलना में अधिक चीनी उत्पादन होने की संभावना जताई है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय चीनी बाजार में भारतीय चीनी को प्रतिस्पर्धात्मक बनाने के लिए गन्ने की उत्पादन लागत में कमी लाने के लिए वैज्ञानिकों का आह्वान किया।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति डॉ. सुशील सोलोमन ने कहा कि चार दिवसीय संगोष्ठी संस्तुतियां देश में चीनी उद्योग के टिकाऊपन में सहायक होंगी। संस्थान के निदेशक डॉ. अश्विनी दत्त पाठक ने संस्थान के मुख्य शोध एवं विकास कार्यक्रमों को रेखांकित किया। समापन समारोह के बाद प्रतिभागी वैज्ञानिकों ने बिसवां (सीतापुर) में संस्थान के आदर्श प्रक्षेत्र का भ्रमण किया। मीडिया प्रभारी एके साह ने बताया कि चार दिवसीय इक्षु महोत्सव में 500 से अधिक विद्यार्थियों,छोटे बच्चों एवं महिलाओं ने कुर्सी रेस, गायन, मेढक दौड़ एवं गन्ना चूसने जैसी विभिन्न रोचक प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र व सभी विजेताओं को पुरस्कार दिए गए।

बुधवार,20 फरवरी 2019

NBT
नवभारत टाइम्स

प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कृषि वैज्ञानिकों से कहा-

2022 तक गन्ना किसानों की आय दोगुनी करने पर दें जोर

उन्नत प्रजाति लाकर गन्ने की उत्पादन लागत कम करने पर रहा जोर, संगोष्ठी में कई देशों से आए कृषि वैज्ञानिकों ने लिया हिस्सा

■ एनबीटी, लखनऊ : गन्ना उत्पादन में प्रदेश लगातार नई ऊंचाईयों को छू रहा है। मुझे उम्मीद है इस साल भी पिछले साल के मुकाबले गन्ने का अधिक उत्पादन होगा। इससे प्रदेश में चीनी का उत्पादन बढ़ेगा। हालांकि अंतरराष्ट्रीय चीनी बाजार में भारतीय चीनी को बेहतर बनाने के लिए गन्ने की उत्पादन लागत में कमी लानी होगी। इसके लिए वैज्ञानिक नई-नई तकनीकों पर काम करें। यह बात मंगलवार को भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में चल रहे चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी शुगरकॉन के समापन पर राज्य कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कही।

उन्होंने कहा कि 2022 तक सरकार गन्ना किसानों की आय दोगुनी कैसे की जाए इस पर रणनीति तैयार कर रही है। वैज्ञानिकों को गन्ने की उन्नत उत्पादन तकनीक को किसानों तक पहुंचाने, गन्ने की उत्पादकता में बढ़ोतरी, प्रसंस्करण लागत को कम करने और उप-उत्पादों के उचित उपयोग पर बल देना होगा। इस दौरान संस्थान के निदेशक डॉ. अश्विनी दत्त पाठक ने संस्थान के बीते एक साल की उपलब्धियों को साझा किया। उन्होंने संस्थान के गोद लिए आठ गांवों के किसानों की आय को दोगुना करने और गुड़ उद्यमिता के लिए प्रदेश और बिहार में हो रहे प्रयासों के बारे में चर्चा की।

NBT

भारतीय गन्ना संस्थान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी शुगरकॉन में शोध पुस्तिका का विमोचन किया गया।

इस दौरान सीएसए कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. सुशील सोलोमन ने भी अपने विचार रखे। इस दौरान डॉ. अमरेश चंद्र ने बताया कि संगोष्ठी में हुए 8 तकनीकी सत्र दो की-नोट सत्र, 120 शोध पत्र और 80 शोध पत्र पोस्टर के रूप में प्रस्तुत किए गए। इसमें चीन, थाईलैंड, वियतनाम, श्रीलंका, बेल्जियम और ब्राजील के वैज्ञानिकों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर सर्वश्रेष्ठ शोध पत्रों को प्रस्तुत करने वाले वैज्ञानिकों को सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही चार दिवसीय इच्छु महोत्सव में 500 से अधिक विद्यार्थियों, छोटे बच्चों और महिलाओं ने कुर्सी रेस, गायन, मेढक दौड़ और गन्ना चूसने की रोचक प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्रतियोगिताओं में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।